839

1-5-18

मंगलवार

❀ आत्मा ❀

शिर्डी

"मोक्ष" की स्थिती मनुष्य को अपने जिवन काल मे ही पाना होती है,

बाबास्वामी

1-5-18

840

2-5-18

बुधवार

❀ आत्मा ❀

मोक्ष की स्थिती अपने जिवनकाल मे प्राप्त कर ली तो दुसरा जन्म लेने का "कारण" ही नही रहता है।

बाबास्वामी
2-5-18

841

3-5-2018

गुरुवार

❀ आत्मा ❀

सदगुरु जब शिष्य को समर्पित होता है, तब शिष्य को "आत्मतत्व" प्राप्त होता है;

बाबास्वामी

3/5/18

842

4.5.18

शुक्रवार

❀ आत्मा ❀

जब शिष्य अपने सदगुरु
को समर्पीत होता है,
तब उसे "गुरुतत्व" प्राप्त
होता है,

बाबास्वामी
4/5/18

843

5.5.18

❀ आत्मा ❀ शनिवार

सदगुरु और शिष्य
मे "आत्मीय" संमन्ध
स्थापित होते है,

आत्मस्वामी
5|5|18

844
6.5.18
रविवार

❀ आत्मा ❀

सदगुरु शिष्य के आत्मा को जन्म देने वाली "माँ" है।

बाबास्वामी

सोमवार

❀ आत्मा ❀

आत्मा का जन्म हो जाने के बाद हमे आत्मा की "अनुभुती" होती है,

बाबास्वामी
7/5/18

846

8.5.18

मँगलवार

❀ आत्मा ❀

आत्म अनुभुती के बाद
हमारी "भितर" की यात्रा
प्रांरभ हो जाती है,

बाबा स्वामी
8/5/18

847

9-5-18

बुधवार

❀ आत्मा ❀

एक बार भितर की
यात्रा प्रांरभ हुयी तो
बाहरी दुनीया से ही
अलग भितरी दुनीया
का "अनुभव" होता है।

बाबास्वामी
9/5/18

848

10.5.18

गुरुवार

❀ आत्मा ❀

जिस प्रकार शरीर को जन्म
देने वाली माँ एक ही
होती है, वैसे ही आत्मा
को जन्म देने वाली "माँ"
भी एक ही होती है।

बाबास्वामी
10/5/18

849

11.5.18

शुक्रवार

❀ आत्मा ❀

जब तक आत्मा का जन्म नहीं होता "आत्मा" की खोज चलते ही रहती है

बाबा स्वामी
11/5/18

850

12.5.18

शनीवार

❀ आत्मा ❀

आत्मा अपनी "माँ" को
खोजने के लिये ही सदैव
शरीर धारण करता है।

बाबा स्वामी
12/5/18

851

13-5-18

रविवार

❀ आत्मा ❀

प्रत्येक जन्म मे केवल-
और केवल "आत्म साक्षात्कार"
पाना ही एकमात्र लक्ष्य
होना है,

बाबा स्वामी
13/5/18

852

14.5.18

सोमवार

❀ आत्मा ❀

आत्म साक्षात्कार पाने के बाद भी कुछ लोगों की "भ्रम" की स्थिति बनी ही रहती है।

बाबास्वामी
14|5|18

853

15.5.18

मंगलवार

ꕥ आत्मा ꕥ

आत्मसाक्षात्कार मिलने के बाद भी मौला इसका "राहसास" नही होता।

बाबास्वामी

15/5/18

854

16.5.18

बुधवार

❀ आत्मा ❀

एहसास न हो तो
यह "विशुद्धी चक्र"
खराब होने के कारण
होता है।

बाबास्वामी
16|5|18

17.5.18

गुरुवार

❀ आत्मा ❀

"विशुद्धी चक्र" खराब होने पर जिवन में बार^2 असफलता का सामना करना पडता है।

बाबा स्वामी

17/5/18

856

18.5.18

शुक्रवार

❀ आत्मा ❀

गर्भ धारणा की सूचना मिलने पर आत्मग्लानी माँ ने करने पर बच्चे का "विशुद्धी चक्र" बचपन से ही खराब हो जाता है,

बाबास्वामी
18/5/18

857
19.5.18
शनिवार

❀ आत्मा ❀

ऐसा अगर आप के
साथ हो रहा है, तो
सारे "प्रयत्न" बंद कर
अपने आप को स्थिर
करे

बाबास्वामी
19/5/18

858

20-5-18

रविवार

ꕥ आत्मा ꕥ

और सफल और स्थिर
पवित्र और शुद्ध आत्माओं
के "सामुहिकता" में जुड़े

बाबास्वामी
20/5/18

859
21.5.18
सोमवार

❀ आत्मा ❀

और जब जिवन मे गिरने का फोर्स समाप्त हो जायेगा तो प्रगती स्वेयम ही हो जायेगी

बाबास्वामी
21/5/18

860

22-5-18

मंगलवार

❀ आत्मा ❀

जब हम प्रगतीशील -
"सामुहिकता" के साथ
जुडे है, तो हम पिछे
अकेले रह ही नही सकते

बाबास्वामी -
22/5/18

861

23-5-18

बुधवार

❀ आत्मा ❀

असफल व्यक्तीओं की प्रगानी जिवन मे "अकेले" संभव नही है,

बाबास्वामी
23/5/18

862
24.5.18
गुरुवार

ꕥ आत्मा ꕥ

असफल व्यक्ती का
असन्तुलीन प्रयास
उसे "आत्महत्या" के लिये
प्रेरीत करता है।

बाबा स्वामी
24/5/18

863
25.5.18
शुक्रवार

❀ आत्मा ❀

"आत्महत्या" का विचार जिवन मे कभी न आया हो ऐसा मनुष्य बिरला ही होगा,

बाबास्वामी
25/5/18

864

26.5.18

शनीवार

❀ आत्मा ❀

तिव्र जिने की इच्छा
की प्रतीक्रीया ही
आत्महत्या का भी
"विचार" लाती है।

बाबास्वामी
26.5.18

865
27.5.18
रविवार

ꕥ आत्मा ꕥ

आत्महत्या का विचार
एक क्षणीक शरीरभाव
की "प्रतिक्रीया" है।

बाबास्वामी
27.5.18

866

28.5.18

सोमवार

❀ आत्मा ❀

"आत्मभाव" न तो जिने की लालसा जगाता है, और न आत्महत्या का विचार लाता है,

बाबास्वामी
28/5/18

B6T

29.5.18

मंगलवार

❀ आत्मा ❀

वास्तव मे तो आत्महत्या शब्द ही गलत है,
"आत्मा" की हत्या कोई कैसे कर सकता है,

बाबास्वामी
29.5.18

868

30.5.18

बुधवार

❀ आत्मा ❀

मनुष्य तो केवल
अपने "शरीर" की
हत्या करता है,
आवारस्वामी
30|5|18

869

31.5.18

गुरुवार

❀ आत्मा ❀

"विशुद्धी चक्र" के राक और अंहकार है, जो दुसरी और आत्मग्लानी होती हैं।

बाबास्वामी

31/5/18